

दैनिक

RNI N.UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़....

सहजन पेड़ नहीं बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए कुदरत का चमत्कार है

कानपुर (नगर छाया समाचार)।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी वैज्ञानिकों के निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सहजन पेड़ नहीं बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए चमत्कार है। उन्होंने बताया कि जिनके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है उन्हें संक्रमण कम होता है उन्होंने आम जनमानस से अपील की है की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए सहजन एक अच्छा विकल्प है। उन्होंने बताया कि सहजन की पत्ती, फलियां, फूल, जड़ आदि का उपयोग किसी न किसी रूप में मानव शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करता है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि सहजन का पौधा औषधि गुणों से भरपूर है उन्होंने कहा कि सहजन में 300 रोगों के रोकथाम के गुण हैं। उन्होंने बताया



कि सहजन में 92 तरह के मल्टीविटामिन, 46 प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट, 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि सहजन की पत्तियों में प्रोटीन, विटामिन बी6, सी, ए, ई, आयरन, कैल्शियम तथा पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि यही कारण है कि सहजन को सुपरफूड या इम्यूनिटी बूस्टर भी कहा जाता है। भारतीय हरित क्रांति के जनक प्रोफेसर एमएस स्वामीनाथन ने सहजन को प्राकृतिक रूप से बायोफोर्टीफाइड पौधा कहा है।

सहजन पेड़ नहीं बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए चमत्कार

□ सहजन का पौधा औषधि गुणों से भरपूर, 300 रोगों के रोकथाम के गुण

कानपुर, 8 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी वैज्ञानिकों के निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सहजन पेड़ नहीं बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए चमत्कार है। उन्होंने बताया कि जिनके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है उन्हें संक्रमण कम होता है। उन्होंने आम जनमानस से अपील की है कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए सहजन एक अच्छा विकल्प है। उन्होंने बताया कि सहजन की पत्ती, फलियां, फूल, जड़ आदि का उपयोग किसी न किसी रूप में मानव शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करता है। वैज्ञानिक डा. अरुण ने बताया कि सहजन का पौधा औषधि गुणों से भरपूर है उन्होंने कहा कि सहजन में 300 रोगों के रोकथाम के गुण हैं। उन्होंने बताया कि सहजन में 92 तरह के मल्टीविटामिन, 46 प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट, 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि सहजन की



■ सहजन को कहा जाता है सुपरफूड या इम्यूनिटी बूस्टर

पत्तियों में प्रोटीन, विटामिन बी 6, सी, ए, ई, आयरन, कैल्शियम

तथा पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि यही कारण है कि सहजन को सुपरफूड या इम्यूनिटी बूस्टर भी कहा जाता है। भारतीय हरित क्रांति के जनक प्रो. एमएस स्वामीनाथन ने सहजन को प्राकृतिक रूप से बायोफोर्टीफाइड पौधा कहा है।

राष्ट्रीय

सहारा

कानपुर • मंगलवार • 9 मई • 2023

'सेहत के लिए कुदरत का चमत्कार है सहजन'

कृषि वैज्ञानिक ने कहा, इम्युनिटी मजबूत करने का माध्यम है इस पेड़ की पत्ती व फली

मल्टीविटामिन एंटीऑक्सीडेंट से युक्त है सहजन



सहजन की फली।

कानपुर (एसएनएन)। चंद्रशेखर आनंद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. विवेक सिंह के निर्देश पर सोमवार को शहीद नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अमन कुमार सिंह ने कहा कि सहजन पेड़ नहीं बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए चमत्कार है।

उन्होंने बताया कि विशेष रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है उन्हें संक्रमण कम होता है। उन्होंने आम जनमानस से अपील की है कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए सहजन एक अच्छा विकल्प है। उन्होंने बताया कि सहजन की पत्ती, फलियाँ, फूल, जड़ आदि का उपयोग किमी न किमी रूप से मानव शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करता है। डॉक्टर

सिंह ने बताया कि सहजन का पौधा औषधीय गुणों से भरपूर है। उन्होंने कहा कि सहजन में 300 से अधिक टैकसॉम के गुण हैं। उन्होंने बताया कि सहजन में 92 तरह के मल्टीविटामिन, 46 प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट, 36 तरह के हार्ड सिबेरक और 18 तरह के एंजिने एमिड पर जले हैं। उन्होंने बताया कि सहजन की फलियों में प्रोटीन, विटामिन बी6, सी, ए, ई, आयरन, कैल्शियम तथा पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि यह करता है कि सहजन को सुखारूढ़ या इम्युनिटी बूस्टर भी कहा जाता है। भारतीय हरित कृषि के जसक प्रोफेसर एसएस स्वामीनाथन ने सहजन को प्राकृतिक रूप से कारोरोटीरिड्स पौधा कहा है।

राष्ट्रीय स्वरूप

सहजन मानव स्वास्थ्य के लिए कुदरत का है चमत्कार

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी वैज्ञानिकों के निर्देश के क्रम में दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने

कहा कि सहजन पेड़ नहीं बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए चमत्कार है। उन्होंने बताया कि जिनके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है उन्हें संक्रमण कम होता है उन्होंने आम जनमानस से अपील की है की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए सहजन एक अच्छा



विकल्प है। उन्होंने बताया कि सहजन की पत्तिए फलियांए फूलएजड़ आदि का उपयोग किसी न किसी रूप में मानव शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करता है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि सहजन का पौधा औषधि गुणों से भरपूर है उन्होंने कहा कि सहजन में 300 रोगों के रोकथाम के गुण हैं। उन्होंने बताया कि सहजन में 92 तरह के मल्टीविटामिनए 46 प्रकार के एंटीऑक्सीडेंटए 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि सहजन की पत्तियों में प्रोटीनएविटामिन बी6एसीएएईएआयरनएकैल्शियम तथा पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि यही कारण है कि सहजन को सुपरफूड या इम्यूनिटी बूस्टर भी कहा जाता है। भारतीय हरित क्रांति के जनक प्रोफेसर एमएस स्वामीनाथन ने सहजन को प्राकृतिक रूप से बायोफेर्टीफाइड पौधा कहा है।